



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 109]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 7, 2000/श्रावण 16, 1922

No. 109]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 7, 2000/SRAVANA 16, 1922

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 अगस्त, 2000

सं. टी ए एम पी/9/2000-सामान्य.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 50 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण एतद्वारा संलग्न आदेशानुसार महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 की धारा 50क और धारा 50ख के क्रियान्वयन से संबंधित दिनांक 4 फरवरी, 2000 को पारित अपने आदेश को संशोधित करता है।

अनुसूची

मामला सं० टीएमपी/9/2000—सामान्य

मैसर्स यूनाइटेड लाइनर एजेंसीज ऑफ
इंडिया (प्राइवेट) लिमिटेड

आवेदक

आदेश
(जुलाई, 2000 के 19वें दिन को पारित किया गया)

इस प्राधिकरण ने महापत्तन न्यास अधिनियम की धारा 50 क और 50 ख के संदर्भ में पत्तन देयताओं से संबंधित सभी महापत्तन न्यासों द्वारा साझा तौर पर अपनाए जाने के लिए 4 फरवरी, 2000 को एक आदेश पारित किया था। यह आदेश मारत के राजपत्र में 6 मार्च, 2000 को अधिसूचित किया गया था। दिनांक 4 फरवरी, 2000 के आदेश में अन्य बातों के साथ-साथ, लैश पोतों पर पत्तन देयताएं लगाने से संबंधित इस प्राधिकरण द्वारा लिया गया निम्नलिखित निर्णय भी शामिल था:-

- (i) खाली लैश बार्ज उठाने के लिए दूसरी बार यात्रा करने वाला लैश पोत पत्तन में प्रवेश करने वाला माना जाएगा, परंतु उसे कोई कार्गो अथवा यात्री उतारने अथवा लेने वाला नहीं माना जाएगा, जैसाकि महापत्तन न्यास अधिनियम की धारा 50 ख में उल्लेख किया गया है और इस पर कोई पत्तन देयताएं भारित नहीं की जाएंगी।

2. मैसर्स यूनाइटेड लाइनर एजेंसीज ऑफ इंडिया (प्राइवेट) लिमिटेड (यूएलए) ने यह अनुरोध करते हुए एक अम्यावेदन प्रस्तुत किया है कि उपर्युक्त आदेश संशोधित किया जाए, जिसमें उभयोंने अपने पूर्ववर्ती तर्क पर जोर दिया है कि पत्तन में बह कर रह गए लदे हुए और खाली, दोनों प्रकार के बार्ज को लेने के लिए किसी लैश पोत द्वारा 'दूसरी बार यात्रा' करने पर पत्तन देयताओं से छूट दी जाए। यूएलए ने उल्लेख किया है कि किसी पत्तन में बह कर पीछे छूट गए बार्ज, जिन्हें बड़े (मदर) पोत द्वारा 'दूसरी बार यात्रा' करने पर उठाया जाना है, उनमें लदे हुए और खाली दोनों प्रकार के बार्ज शामिल होते हैं। चूंकि, टीएमपी के 4 फरवरी,2000 के आदेश में केवल खाली लैश बार्ज का उल्लेख किया गया है, यूएलए को आशंका है कि उक्त आदेश की व्याख्या करते समय, हो सकता है कि पत्तन न्यास 'दूसरी बार यात्रा' करने पर यदि 'पहली बार यात्रा' करने के समय पीछे छूट गए किसी लदे हुए बार्ज को पोत उठाता है तो पत्तन देयताओं पर छूट प्रदान न करें। यूएलए ने टिप्पणी की है कि ऐसी व्याख्या से उक्त आदेश का मूल उद्देश्य ही खत्म हो जाएगा।

3.1 सीएचपीटी के दरों के मान से संबंधित इस प्राधिकरण द्वारा 2 जून,2000 को पारित आदेश के संदर्भ में आईएनएसए ने उल्लेख किया है कि दूसरी बार यात्रा करने पर किसी लैश पोत को पत्तन देयताओं के भुगतान से छूट देने से, जबकि वह खाली लैश बार्ज का लदान कर रहा है, राष्ट्रीय लाइनरों को एक समान भागीदार का स्तर प्राप्त नहीं होगा।

3.2 आईएनएसए की आपत्ति संदर्भागत नहीं है। प्राधिकरण इस आदेश महापत्तन न्यास अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार है और किसी प्रकार से लैश बार्ज प्रचालनों को सुरक्षा देने अथवा राष्ट्रीय फ्लीट को प्रोत्साहित करने के विचार के अंतर्गत नहीं है।

4.1 अपने बार्ज उठाने के लिए 'दूसरी बार यात्रा' करने वाले लैश पोत पर पत्तन देयताएं प्राधिकरण द्वारा महापत्तन न्यास अधिनियम की घारा 60 ख के अंतर्गत निर्धारित की जाती हैं। घारा 50 ख पत्तन में प्रवेश करने वाले परंतु कोई कार्गो अथवा यात्री न उतारने वाले अथवा न ही लेने वाले पोतों से संबंधित है।

4.2 किसी बार्ज को उठाने (चाहे वह लदा हुआ हो) से यह अभिप्राय नहीं है कि कोई कार्गो उठाया जा रहा है। बार्ज भी पोत होता है और बड़े पोत (मदर वैसल) की 'दूसरी बार यात्रा' के दौरान केवल पोत ही अंदर लिया जाता है। दूसरे शब्दों में, फ्लीटिंग पत्तन में बड़े पोत (मदर वैसल) की दूसरी बार यात्रा के दौरान किसी प्रकार का कार्गो प्रचालन नहीं होता। यूएलए के अनुरोध में उल्लिखित 'लदे हुए' बार्ज का संदर्भ हमारे पूर्ववर्ती आदेश में सम्बतया असाधानीवश छूट गया है।

5. परिणामतः और उपर्युक्त कारणों तथा समग्र ध्यान दिए जाने के आधार पर यह प्राधिकरण अपने दिनांक 4 फरवरी,2000 के आदेश को नीचे दिए गए अनुसार संशोधित करता है:-

वर्तमान पैराग्राफ सं 5 (iii) हटाया जाता है और निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है:-

"5 (iii) खाली और/अथवा लदे हुए फ्लीटिंग लैश बार्ज उठाने के लिए 'दूसरी बार यात्रा' करने वाला लैश पोत पत्तन में प्रवेश करने वाला माना जाएगा, परंतु उसे कोई कार्गो अथवा यात्री उतारने अथवा लेने वाला नहीं माना जाएगा, जैसाकि महापत्तन न्यास अधिनियम की घारा 50 ख में उल्लेख किया गया है और इस पर कोई पत्तन देयताएं मारित नहीं की जाएंगी।"

6. सभी महापरानों को एतदद्वारा निर्देश दिया जाता है कि वे अपने दरों के मान में उद्नुसार उपयुक्त संशोधन शामिल करें।

7. यह आदेश भारत के राजपत्र में इसके अधिसूचित किए जाने के 30 दिन पश्चात प्रचालन में आ जाएगा।

एस. सत्यम, अध्यक्ष

[विज्ञापन/3/4/143/2000/असा.]

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th August, 2000

No. TAMP/9/2000-Genl.—In exercise of the powers conferred by Section 50 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby amends its Order passed on 4 February, 2000 relating to implementation of Section 50A and Section 50B of the Major Port Trusts Act, 1963, as in the Order appended hereto.

SCHEDULE

Case No. TAMP/9/2000 – Genl.

M/s. United Liner Agencies
of India (Private) Limited

....

Applicant

ORDER

(Passed on this 19th day of July 2000)

This Authority had passed an Order on 4 February 2000, for common adoption by all the Major Port Trusts, relating to prescription of Port Dues in terms of Section 50 A and 50 B of the Major Port Trusts Act. This Order was notified in the Gazette of India on 6 March 2000. The Order dated 4 February 2000, inter alia, contains the following decision taken by the Authority relating to levy of port dues on LASH vessels:

(I). A LASH vessel making a 'second call' to pick up empty LASH barges shall be treated as a vessel entering a port but not discharging or taking any cargo or passengers therein, as described in Section 50 B of the Major Port Trusts Act, and shall not be charged any Port Dues.

2. M/s. United Liner Agencies of India (Private) Limited (ULA) has submitted a representation requesting to amend the above Order reiterating its earlier ~~plea~~ to provide for waiver of Port Dues on 'second call' by any LASH vessel for picking up both laden and empty barges forced to fleet at a Port.

The ULA has pointed out that the fleeted barges left behind in a port which are to be picked up at mother vessel's 'second call' comprise both laden as well as empty barges. Since TAMP's Order dated 4 February 2000 refers only empty LASH barges, the ULA has apprehended that the Port Trusts when interpreting the said Order may not grant waiver on Port Dues for the 'second call' if the vessel picks up any laden barges which were left behind at the 'first call'. The ULA has observed that such interpretation will defeat the very purpose of the Order.

3.1. The INSA, in the context of an Order dated 2 June 2000 passed by the Authority relating to the CHPT's Scale of Rates, has mentioned that exempting a LASH vessel on second call from payment of Port Dues, even when she is loading empty LASH barges will not provide a level playing field for national liners.

3.2. The INSA's objection is out of context. The Order issued by the Authority is with reference to the provisions contained in the MPT Act and not under any consideration of protecting LASH barge operations or not encouraging the national fleet.

4.1. Port dues on LASH vessels making a 'second call' to pick up its barges is fixed by the Authority under Section 50B of the MPT Act. Section 50B is relevant to the vessels entering into a port but not discharging or taking in any cargo or passenger therein.

4.2. Taking a barge (even if laden) does not amount to taking any cargo. A barge is also a vessel; and, during the 'second call' of the mother vessel, only a vessel is taken in. In other words, no cargo operation takes place at the fleetting port, during the second call of the mother vessel. In our earlier order, the reference to 'laden' barges in the ULA request appears to have been missed by oversight.

5. In the result, and for the reasons given above, and based on a collective application of mind, the Authority hereby modifies its Order dated 4 February 2000 as given below:

The existing paragraph No.5 (iii) is deleted and substituted by the following:

"5(iii). A LASH vessel making a 'second call' to pick up empty and / or laden fleetting LASH barges shall be treated as a vessel entering a port but not discharging or taking any cargo or passengers therein, as described in Section 50B of the Major Port Trusts Act, and shall not be charged any Port Dues".

6. All the major ports are hereby directed to introduce appropriate changes accordingly in their Scale of Rates.

7. This Order will come into operation 30 days after its Notification in the Gazette of India.

S. SATHYAM, Chairman

[ADVT/III/IV/143/2000/Exty.]